

नज़रें चुराके बैठे | by Atul Krishna

नज़रें चुरा के बैठे सरकार क्यों बताओ
कबसे खड़े हैं दर पे पलकें ज़रा उठाओ

रुस्वाई आपकी ये हमसे सही ना जाये
गुज़री है दिल पे जो भी तुमसे कही ना जाए
खामोश ये जुबां भी अब तो रही ना जाए
हमसे हुई खता क्या इतना ज़रा बताओ
नज़रें चुराके बैठे

बेचैन कर रही है खामोशियाँ ये तेरी
नादाँ हूँ माफ़ कर दे बदमाशियाँ तू मेरी
हमपे भी तो चढ़ा दे मदहोशियाँ वो तेरी
चरणों का अब दीवाना हमको ज़रा बनाओ
नज़रें चुराके बैठे

माना खता हुई है तू माफ़ श्याम करना
पागल समझ के मुझको दिल साफ़ श्याम करना
छोटा मैं तुम बड़े हो इन्साफ़ श्याम करना
ड्योढ़ी पे हर्ष आया अपने गले लगाओ
नज़रें चुराके बैठे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%9a%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0%e0%a5%87-by-atul-krishna/>